मूल्य 1 रु.
वर्ष: 10 - अंक : 183, मुंबई, सोमवार, 28 सितंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

पूर्व मंत्री जसवंत सिंह का 82 की उम्र में निधन

अटल सरकार में विदेश, रक्षा और वित्त तीनों पोर्टफोलियो संभाले, 1999 में हाईजैक प्लेन छुड़ाने में अहम रोल निभाया था

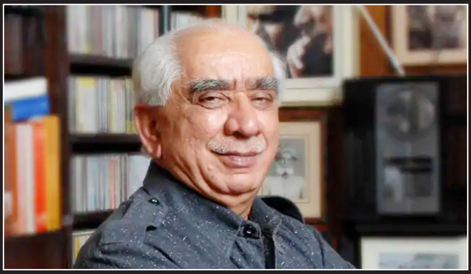

नई दिल्ली। अटल सरकार में मंत्री रहे जसवंत सिंह (82) का रविवार सुबह 6 .55 बजे निधन हो गया। दिल्ली के आर्मी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। 25 जून को उन्हें दिल्ली के आर्मी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका मल्टी ऑर्गन डिस्फंक्शन सिंड्रोम का इलाज चल रहा था यानी अंगों ने ठीक से काम करना बंद कर दिया था। राजनीति में आने से पहले जसवंत सेना में थे। वे मेजर के पद से रिटायर हुए थे। सरकार में तीन अहम विभाग (वित्त, रक्षा, विदेश) संभालने वाले जसवंत को खामियाजा भी भुगतना पड़ा।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

कृषि बिलों पर राष्ट्रपति ने किए हस्ताक्षर

अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने कहा...
देश के लिए काला दिन

संवाददाता

नई दिल्ली। विपक्षी दलों और देश के कई राज्यों के किसानों के भारी विरोध के बीच राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को तीनों कृषि विधेयकों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के साथ ही ये विधेयक अब कानून बन गए हैं। शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने इसे भारत के लिए काल दिन बताया है। सुखबीर बादल ने कहा, यह वास्तव में भारत के लिए एक काला दिन है कि राष्ट्रपति ने राष्ट्र के विवेक के रूप में कार्य करने से इनकार कर दिया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

हज यात्रियों के लौटाए गए 2100 करोड़ रुपये

कोरोना के कारण कैंसिल हुई थी यात्रा

मुंबई। कोरोना वायरस के चलते इस साल हज यात्रा नहीं हो पाई है। इसीलिए सरकार ने 1 लाख 23 हजार हज यात्रियों के बिना कोई शुल्क काटे 2100 करोड़ रुपये लौटा दिए हैं। राशि को लौटाने में डिजिटल व्यवस्था का बहुत लाभ हुआ है। अब केंद्र सरकार को 2021 की हज यात्रा के लिए सऊदी अरब सरकार के दिशानिर्देशों का इंतजार है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई में फिर सुधरने लगा कोरोना रिकवरी रेट

6 प्रतिशत का सुधार

मुंबई। कोरोना मरीजों की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि के बीच रिकवरी रेट में सुधार हो रहा है। उसी का नतीजा है कि मुंबई में रिकवरी रेट एक बार फिर सुधर कर 81 प्रतिशत हो गया है। इससे पहले सितंबर के मध्य में रिकवरी रेट गिर कर 75 प्रतिशत तक पहुंच गया था। जिससे मुंबई में चिंता बढ़ गई थी। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने कहा कि टेस्टिंग बढ़ने की वजह से मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। लेकिन, रिकवरी रेट बेहतर हो रही है। धीरे- धीरे ग्रोथ रेट में भी सुधार हो रहा है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

हमारी बात

बिहार में चुनाव

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही हमारा लोकतंत्र एक नए दौर में प्रवेश कर गया। राजनीतिक रूप से बहुत महत्व रखने वाले बिहार विधानसभा चुनाव पर पूरे देश की निगाह है और इस बार तो अंतरराष्ट्रीय मीडिया भी खास तौर से भारतीय लोकतांत्रिक खूबियों को परखने आएगा। चुनाव आयोग ने पूरी सावधानी बरतते हुए तीन चरण में मतदान कराने की घोषणा की है। 28 अक्तूबर, 3 नवंबर और 7 नवंबर को मतदान के बाद 10 नवंबर को मतों की गिनती होगी, जिसके बाद ही राज्य के मतदाताओं का फैसला देश-दुनिया के सामने आ जाएगा। दिवाली से पहले ही परिणाम सामने आ जाएंगे। विशेष रूप से दिवाली के बाद आने वाले छठ महापर्व के मद्देनजर भी ये चुनावी तिथियां प्रशंसनीय हैं। पहले चरण में 71 सीटों, दूसरे चरण में 94 सीटों और अंतिम चरण में 78 सीटों पर मतदान होगा। मतदान के बीच तीन से ज्यादा दिन का अंतराल भी उचित है। चुनाव आयोग ने जो पैमाने तय किए हैं, उनके अनुसार चुनाव आसान नहीं होंगे। लोगों को तो ज्यादा नहीं, लेकिन नेताओं को ज्यादा परेशानी होने वाली है। लोगों तक पहुंचना आसान नहीं होगा। बड़ी सभाओं के न होने का मतलब है, चुनाव प्रचार में राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की कमी खलेगी। किसी बड़े नेता को चुनाव प्रचार करते हुए महज पांच लोगों के साथ देखना अलग ही अनुभव होगा। हालांकि यह चुनौती है कि जब हमारे बाजारों में सैकड़ों लोग एक जगह जुटने लगे हैं, तब नेताओं को भीड़ से कैसे बचाया जाएगा? पांच से ज्यादा संख्या में तो खुद पुलिस वाले आवाजाही करते हैं, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने साफ कर दिया है कि कोरोना की वजह से एक बार में एक साथ पांच से ज्यादा लोग घर-घर जाकर प्रचार नहीं कर पाएंगे। वर्चुअल चुनाव प्रचार करना होगा। नामांकन के लिए जाते समय पहले नेता शक्ति प्रदर्शन किया करते थे, इस बार दो से ज्यादा गाड़ी नहीं ले जा सकेंगे। यह बहुत अच्छा है कि इस चुनाव में दिखावे की गुंजाइश कम से कम होने वाली है और शायद लोग भी पहले की तुलना में अच्छे नेताओं का चयन कर सकेंगे, शोर-गुल और भीड़ के झांसे में नहीं आएंगे। एक आशंका है कि सामने के दरवाजे से होने वाले खर्च घटेंगे और पिछले दरवाजे से होने वाले खर्चों में वृद्धि होगी। चुनाव आयोग की चुनौती यहां बढ़ जाएगी। इसके अलावा, जिन दलों ने गली-गली तक कार्यकर्ता आधार तैयार किए हैं, उन्हें फायदा होने वाला है। भाडे. के कार्यकर्ताओं को दिक्कत होने वाली है, क्योंकि मतदाता भी नए लोगों के संपर्क में आने से बचेंगे। एक बड़ी चिंता चुनावकर्मियों की रहेगी, इसके लिए छह लाख पीपीई किट राज्य चुनाव आयोग को दिए जाएंगे। बड़ी संख्या में मास्क और हैंड सैनिटाइजर का उपयोग आयोग को सुनिश्चित करना होगा। कुछ बडे. बदलाव बहुत स्वागतयोग्य हैं। चुनाव आयोग ने बताया है कि जहां जरूरत होगी, वहां पोस्टल बैलेट की व्यवस्था की जाएगी। नामांकन भी ऑनलाइन भरे जा सकेंगे। आगे भी जमीनी अनुभव के आधार पर चुनाव आयोग को फैसले लेने और लागू करने के लिए तैयार रहना होगा। कुल मिलाकर, यह बिहार के लोगों की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वे कोरोना से बचते हुए चुनाव को सुखद ढंग से मुकाम पर पहुंचाएं, ताकि चुनाव बाद छठ महोत्सव में उल्लास बना रहे।

रोजगार मुहैया कराने के दावों का सच

देशभर में बेरोजगारी बेतहाशा बढ़ती जा रही है। कोरोना जनित लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था के व्यापक तौर पर प्रभावित होने के बाद से रोजगार क्षेत्र की स्थिति और भी बदतर हो गई है। बेरोजगारी की रफ्तार को रोकने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा की गई तमाम कोशिशें निष्फल होती दिख रही हैं। सरकारों द्वारा नौकरी मुहैया करवाना महज आंकड़ों की बाजीगरी बनकर रह गया है। सरकारी नौकरियां सिमटती जा रही हैं। हालांकि निजी क्षेत्रों की कंपनियों में जॉब का दायरा बड़ा तो हुआ है, लेकिन अनेक कारणों से इन्हें स्थायी नौकरी नहीं माना जाता। इसकी प्रमुख वजह यह है कि ये नौकरियां कई अनिश्चितताओं व अनियमितताओं से भरी होती हैं। फिर भी, इसमें भी मारामारी है।

निजी क्षेत्र में कार्यरत युवा पीढ़ी से लेकर लंबी कतार में लगे बेरोजगारों तक की निगाहें हमेशा जॉब पोर्टल, प्लेसमेंट एजेंसियों और सोशल साइटों पर टिकी रहती हैं। दूसरी तरफ कोविड-19 महामारी के चलते बेरोजगारों की फौज और भी बड़ी हो गई है। छोटी-मोटी नौकरियों से लेकर प्रोफेशनल जॉब की भारी कमी से यह परिवेश पहले से अधिक अव्यवस्थित हो गया है। परिणामस्वरूप रोजगार देने का भी एक नया रोजगार पैदा गया है। दैनिक समाचार पत्रों के रोजगार कॉलम या साप्ताहिक परिशिष्ट की जगह जॉब्स पोर्टल ने ले ली है। ऑफलाइन की जगह ऑनलाइन नौकरी तलाशने की प्रवृत्ति जोर पकड़ चुकी है। यही कारण है कि आज सैकड़ों जॉब पोर्टल बेरोजगारों की एक जरूरत बन चुके हैं। इसके जरिये वाइट कॉलर जॉब के अलावा हर किस्म के नियमित से लेकर अंशकालिक या फ्रीलांस नौकरियां तलाशी जाने लगी हैं। दर्जनों देशी-विदेशी जॉब पोर्टल के अतिरिक्त केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा भी पोर्टल बनाए गए हैं, जिन पर हर क्षेत्र की नौकरियां मौजूद हैं। वहां नौकरी देने और ढूंढने वाले दोनों होते हैं। नियोक्ता कंपनियों और नौकरी तलाशने वाले उम्मीदवारों को इन पोर्टल पर पंजीकरण कराना होता है।

अधिकतर नियोक्ता द्वारा जॉब से संबंधित संक्षिप्त जानकारियां ही होती हैं, जिनमें मुख्यतः जॉब का स्वरूप, वेतन, योग्यता और अनुभव आदि का संक्षिप्त विवरण रहता है। जबकि उनके द्वारा दी गई जानकारियां या दावे पूर्णतः सही नहीं माने जा सकते। ज्यादातर कंपनियां अपना कोई पता या फिर संपर्क नंबर नहीं देती हैं। ये कंपनियां जॉब पोर्टल में अपलोड किए गए रिज्यूम का ही उपयोग करती हैं, लेकिन कुछ रिज्यूम अपने ईमेल या वेबसाइट के माध्यम से भी मंगाती हैं। यानी अधिकतर पोर्टल पर नियोक्ता की तमाम जानकारियां छिपी होती हैं। दूसरी तरफ पोर्टल आवेदक से रिज्यूम रजिस्टर करने के समय ही अपलोड करवा लेते हैं। ऐसे जॉब्स पोर्टल नियोक्ता और आवेदकों के बीच एक पुल का काम करते हैं। जॉब पोर्टल पर जालसाजों का भी जमावड़ा लग चुका है। इसकी चेतावनी देते हुए कुछ पोर्टल अब ओटीपी और कैप्चा का इस्तेमाल कर खुद को सही साबित करने लगे हैं। जबकि उनके जरिये फर्जी कंपनियों की पहचान करने के संबंध में कोई पुख्ता इंतजाम नहीं है। पोर्टल अपनी गतिविधियों और लोगों तक तेजी से पहुंच बनाने की सुविधा के हिसाब से जॉब पोस्ट करने वाली कंपनियों से शुल्क वसूलती है। कई बार ज्यादा वेतन वाली नौकरियों या अधिक पारिश्रमिक वाले काम के ऑफर के लिए ये जॉब पोर्टल फीस की मांग भी करते हैं। इनमें से कई तो बहुचद्रचत कंपनियों में नौकरी दिलवाने का झांसा देकर ठगी करने से भी नहीं चूकते। मल्टीलेवल मार्केटिंग करने वाली कई कंपनियां किसी विदेशी पोर्टल या कंपनी की फ्रेंचाइजी पर काम करती हैं और जॉब देने की आड़ में कमीशन की आय वाले पोंजी स्कीम में शामिल होने का ऑफर देती हैं। आवेदक को हैरानी तब होती है, जब उन्हें कॉल सेंटर या प्लेसमेंट के जरिये बुलाया तो जाता है, लेकिन जिस जॉब के लिए उसने आवेदन किया होता है, वहां वह नौकरी नहीं होती है। आवेदक से जॉब के लिए अलग से प्रशिक्षण या सिक्योरिटी के नाम पर फीस मांगी जाती है।

ऐसे में कई बार फ्रेशर इनके झांसे में आ जाते हैं। बहरहाल ऑनलाइन नौकरी तलाशना जितना आसान लगता है, उतना ही जोखिम भरा भी है। सरकारें इन्हीं की बदौलत लाखों लोगों को रोजगार और नौकरी देने के दावे करती हैं। उदाहरण के तौर पर केंद्र सरकार के पोर्टल नेशनल कैरियर सद्रवस और दिल्ली सरकार के रोजगार बाजार समेत दूसरे राज्यों के जॉब पोर्टल को देख सकते हैं। यही पोर्टल सरकार के रोजगार देने के दावे की पोल भी खोलते हैं। जैसे श्रम रोजगार मंत्रलय के अंतर्गत एनसीएस यानी नेशनल कैरियर सद्रवस पर जहां कुछ दिनों पूर्व तक नौकरी ढूंढने वाले पंजीकृत आवेदकों की संख्या एक करोड़ से भी अधिक थी, वहीं इनके लिए रिक्तियों की संख्या महज दो लाख के आसपास थी, जिसे करीब 57 हजार नियोक्ता कंपनियों की ओर से दिया गया था। इस पोर्टल के जरिये बेरोजगारों की वास्तविक स्थिति और नौकरियों की किल्लत का अंदाजा लगाया जा सकता है।

उपचुनाव भाजपा और कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का विषय

मध्य प्रदेश में यद्यपि 28 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने वाला है, लेकिन माहौल सामान्य चुनाव जैसा ही बन गया है। इसका मुख्य कारण सत्ता में बने रहने या सत्ता पाने के लिए इन सीटों की अहमियत है। माना जा रहा है कि जो जीता वही सत्ता का सिकंदर होगा। भाजपा यदि दस सीटें भी जीत लेती है तो उसकी सरकार मजबूत हो जाएगी, लेकिन यदि कांग्रेस सर्वाधिक सीटें जीतती है तो समीकरण बदल सकता है। यही कारण है कि यह उपचुनाव भाजपा और कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का विषय बन गया है। दोनों पार्टियों के नेता एक दूसरे के खिलाफ आरोपों की झड़ी लगा रहे हैं।

आम चुनाव से भी अधिक नेता एक दूसरे पर निजी हमले कर रहे हैं। शब्दों की मर्यादा टूट चुकी है। जो आमने-सामने शिष्टाचार का प्रदर्शन करते थे वे एक दूसरे को चोर-डाकू, गद्दार जैसे विशेषणों से नवाज रहे हैं। एक दूसरे को पछाड़ने के लिए रोज मुद्दे और नारे गढ़े जा रहे हैं, लेकिन उपचुनाव में भी कर्ज माफी ही सर्वाधिक चर्चा में है। दोनों पार्टियों ने इसे सबसे बड़ा मुद्दा बना रखा है। भाजपा पर तोहमत मढ़कर कांग्रेस अपना बचाव करना चाहती है तो भाजपा उसे नए सवालों पर घेर रही है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में किसानों की कर्ज माफी बड़ा और निर्णायक

मुद्दा था। दरअसल, कांग्रेस और कमल नाथ को यह भान था कि शिवराज सिंह चौहान की छवि किसान हितैषी है। किसानों के लिए भावांतर से लेकर कई योजनाएं भी शुरू हुई थीं। इसकी तोड़ के तौर पर कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में कर्ज माफी योजना को आगे रखा था।

भाजपा को यह उम्मीद थी कि कांग्रेस की यह घोषणा उसके द्वारा बीते 15 वर्षों में किए गए किसान हितैषी कार्यों के आगे नहीं टिक पाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। किसानों ने कमल नाथ के वचन पर भरोसा जताया और कांग्रेस का सत्ता से वनवास खत्म हो गया। कमल नाथ की अगुआई में कांग्रेस की सरकार बनी और मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजते ही उन्होंने सबसे पहले आदेश 48 लाख किसानों की 54 हजार करोड़ रुपये की कर्ज माफी का निकाला। इससे किसानों का भरोसा और बढ़ा, पर यह जितना आसान दिख रहा था, उतना था नहीं। खजाना खाली था और दो लाख रुपये तक का कर्ज चुकाने में लगने वाली राशि इतनी बड़ी थी कि यदि इसे पूरा करने लग जाते, तो दूसरे कोई काम नहीं हो सकते थे।

लिहाजा, वित्त विभाग ने पेच फंसाना शुरू किया। कर्ज माफी का ऐसा फार्मूला बनाया कि दो खाते वाले, दो लाख रुपये से अधिक कर्ज वाले, खेती के अलावा अन्य कामों के लिए कर्ज लेने वाले किसान दायरे से बाहर हो गए। इसके बाद भी किसानों की बड़ी संख्या बची थी। इनका कर्ज माफी करने के लिए 16 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की जरूरत थी, इसलिए इसे तीन चरणों में करने का निर्णय लिया गया। विपक्ष में रहते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कई बार चेतावनी दी कि सरकार किसानों की कर्ज माफी करे। कांग्रेस ने भी प्रतिक्रिया स्वरूप उनके घर जाकर उन्हें कर्ज माफी के रिकॉर्ड उपलब्ध कराए। इस बीच कांग्रेस नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कर्ज माफी से लेकर कई अन्य वादे पूरे नहीं होने का आरोप लगाते हुए हाथ को झटका दे दिया और कांग्रेस की सत्ता से विदाई हो गई।

‘कपल चैलेंज’ से रहें जरा बचके, मुंबई पुलिस की हिदायत- यूजर्स की पोस्ट की गई तस्वीर का हो सकता है गलत इस्तेमाल

इमेज मॉर्फिंग के जरिए चेहरा किसी और का और बाकी शरीर किसी और का जोड़कर मॉर्फ इमेज बनाई जाती है, जिसे साइबर अपराधी डेटिंग वेबसाइट, पोर्नोग्राफी और सोशल मीडिया पर फेक अकाउंट बनाने में करते हैं। लोगों को कपल चैलेंज जैसे इनिशिएटिव से बचना चाहिए।
बालसिंह राजपूत, एस.पी. (महाराष्ट्र साइबर पुलिस)

संवाददाता

मुंबई। सोशल मीडिया में इन दिनों कपल चैलेंज काफी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इस चैलेंज के तहत किसी भी इंसान को अपनी पत्नी या प्रेमिका के साथ एक खूबसूरत और आकर्षक फोटो क्लिक कर उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट करनी होती है। इस पोस्ट में से जिन्हें सर्वाधिक ‘लाइक्स’ मिलते हैं, संबंधित सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म उस व्यक्ति के प्रोफाइल को हाइलाइट्स करता है। यह चैलेंज सबसे अधिक फेसबुक पर ट्रेंड में है। अब तक करीब 20 लाख से अधिक

लोगों ने इस चैलेंज को स्वीकार किया है। मुंबई में भी यह चैलेंज काफी तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन मुंबई पुलिस ने लोगों से इस तरह के चैलेंज से दूर रहने और सावधानी बरतने की अपील की है। पुलिस ने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से अपील की है कि वे अपने साथ अपने पार्टनर (पत्नी/महिला मित्र) की फोटो को फेसबुक या अन्य सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से पहले दो बार सोचें। पुलिस ने कहा कि यदि आप सावधान नहीं हैं, तो यह ‘प्यार’ भरा चैलेंज आपके लिए ‘समस्या’ बन सकता है और आपकी तस्वीरें मॉर्फ होकर पोर्नोग्राफी के लिए साइबर क्रिमिनल्स के हाथों लग सकती है। इसलिए ऐसे किसी चैलेंज में भाग लेने से पहले सोच-विचार अवश्य कर लें। पुलिस ने यह जानकारी ट्वीट भी की है।

स्कूल की दीवार से टकराई बाइक, दो की मौत

पालघर। सफाला पुलिस स्टेशन क्षेत्र के रामबाग इलाके में मंगलवार देर रात एक तेज रफ्तार बाइक स्कूल की दीवार से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए हैं। जानकारी के अनुसार सफाले गांव निवासी मंगेश मधुकर सातोसकर (27) अपने दोस्त संतोष देवा वरपे (33) के साथ अपनी बाइक क्रमांक एम.एच. 48 ए.जे.7062 से मंगलवार रात 11 बजे घर आ रहे थे। जैसे ही वे रामबाग स्थित जिला परिषद स्कूल के पास पहुचे, तभी मंगेश का बाइक से संतुलन बिगड़ने से बाइक स्कूल की दीवार से टकरा गई, जिसमें दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बाइक की गति अधिक होने से दोनों की मौत हुई है।

मध्य प्रदेश से फरार आरोपी ठाणे में अरेस्ट, कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा

ठाणे। ठाणे शहर पुलिस की अपराध शाखा यूनिट एक ने मध्यप्रदेश के ग्वालियर से धोखाधड़ी के मामले में फरार आरोपी नितिन पाटील उर्फ नितिन अकरम बारपेट को सांगली से गिरफ्तार किया। यूनिट एक के सीनियर पीआई नितिन ठाकरे के अनुसार नितिन पाटील पर पिछले साल ग्वालियर अपराध शाखा पुलिस ने मामला दर्ज किया था। तब से ही पुलिस को चकमा देकर वह फरार हो गया था। ग्वालियर पुलिस को पाटील के नवी मुंबई के नेरुल में होने की जानकारी मिली थी। ग्वालियर पुलिस ने आरोपी की धरपकड़ के लिए ठाणे शहर पुलिस की अपराध शाखा यूनिट एक से मदद मांगी थी। इसी बीच अपराध शाखा के कॉन्स्टेबल अमोल देसाई को पाटील के सांगली जिले के वालवा में होने की खबर लगी थी। इस जानकारी पर ठाणे पुलिस की टीम ने उसे सांगली से धर दबोचा। ठाणे न्यायालय ने 5 अक्टूबर तक पाटील को न्यायिक हिरासत में भेजा है।

बच्चे का अपहरण करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र सागर/संवाददाता

अंबरनाथ। सर्कस मैदान से ढाई वर्षीय बच्चे विकास मंडल का अपहरण करके 70 हजार रुपये में बेचने वाले पांच आरोपियों को अंबरनाथ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें दो दिन की रिमांड पर भेजा गया है। आरोपियों में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, अपहरण में अंबरनाथ के संजय नगर निवासी जैनब बी. फकीर खान (33) मुख्य आरोपी है। जैनब ने ही 70 हजार रुपये में विकास को उल्हासनगर-4 निवासी पूजा शेट्टीयार (28) को बेचा था। उसे भी आरोपी बनाया गया है। अंबरनाथ एसीपी नरले ने जानकारी देते हुए बताया कि सोशल मीडिया पर बच्चे के अपहरण जानकारी वायरल हुई थी। सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पूजा ने खुद बच्चे को विठ्ठलवाडी पुलिस स्टेशन में दे दिया। अंबरनाथ पुलिस ने जब पूजा को पकड़कर पूछताछ की, तो उसने बताया कि जैनब के कहने पर माया सुखदेव काले ने 15 सितंबर को बच्चे का अपहरण किया था।

शिवसेना से हाथ मिलाने का कोई इरादा नहीं: फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि शिवसेना से हाथ मिलाने या राज्य में उद्धव ठाकरे नीत गठबंधन सरकार गिराने में भाजपा का कोई इरादा नहीं है। फडणवीस ने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए दावा किया कि राज्य के लोग शिवसेना नीत ‘महाराष्ट्र विकास आघाडी’ सरकार के कामकाज से नाखुश हैं और यह अपनी अकर्मण्यता के चलते गिर जाएगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा कि शनिवार को शिवसेना सांसद संजय राउत से उनकी मुलाकात हुई, जिसने राजनीतिक गलियारों में अटकलों को हवा दे दी, जबकि यह मुलाकात शिवसेना के मुखपत्र ‘सामना’ के लिये एक साक्षात्कार के सिलसिले में थी। गौरतलब है कि पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद

मुख्यमंत्री पद साझा करने के मुद्दे को लेकर शिवसेना ने भाजपा से अपना नाता तोड़ लिया था। इसके बाद उद्धव ठाकरे नीत पार्टी ने राज्य में गठबंधन सरकार बनाने के लिये राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के साथ हाथ मिलाया था। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता फडणवीस ने कहा, शिवसेना से हाथ मिलाने या (राज्य में) सरकार गिराने का हमारा कोई इरादा नहीं है। जब यह खुद ब खुद गिरेगी, तब हम देखेंगे। उन्होंने कहा कि राउत के साथ उनकी मुलाकात के कोई राजनीतिक निहितार्थ नहीं हैं। भाजपा नेता ने कहा, ‘उन्होंने मुझसे ‘सामना’ के लिये एक साक्षात्कार देने को कहा, जिस पर मैं राजी हो गया। लेकिन मैंने अपनी शर्तें भी रखी थी-जैसे कि साक्षात्कार असंपादित रहना चाहिए और साक्षात्कार के दौरान मुझे अपना कैमरा रखने दिया जाए।

(पृष्ठ 1 का शेष)

पूर्व मंत्री जसवंत सिंह का 82 की उम्र में निधन

एक बार उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया गया। 2014 लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं दिए जाने से नाराज जसवंत ने खुद पार्टी छोड़ दी। तब पार्टी महासचिव रहे अमित शाह (अब गृह मंत्री) ने कहा था कि सभी फैसले नफा-नुकसान का हिसाब लगाकर ही लिए गए। 2018 में जसवंत के बेटे मानवेंद्र ने बताया था, मोदी ने मुझे खुद फोन किया था। उन्होंने मेरे पिता को टिकट न दिए जाने के पीछे जयपुर के एक और दिल्ली के दो लोगों की साजिश बताई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, जसवंत सिंह जी ने हमारे देश की पूरी लगन से सेवा की। पहले सैनिक के रूप में, बाद में राजनीति से उनका लंबा जुड़ाव रहा। अटल जी की सरकार उन्होंने बेहद अहम पोर्टफोलियो संभाले। वित्त, रक्षा और विदेश मामलों में उन्होंने मजबूत छाप छोड़ी। उनके निधन से दुखी हूं। वे राजनीति और समाज को लेकर अपने अलग तरह के नजरिए के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। भाजपा को मजबूत करने में भी उनका खासा योगदान था। मैं उनके साथ हुई चर्चाओं को हमेशा याद रखूंगा। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

कृषि बिलों पर राष्ट्रपति ने किए हस्ताक्षर

हमें बहुत उम्मीद थी कि वह इन बिलों को संसद में पुनर्विचार के लिए लौटा देंगे, जैसा कि अकाली दल और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने मांग की थी। गौरतलब है कि इन कृषि विधेयकों का भारी विरोध हो रहा है। खासतौर से पंजाब और हरियाणा के किसान इस बिल के विरोध में सड़कों पर उतरे हुए हैं। वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दल भी इन विधेयकों का विरोध कर रहे हैं। यहां तक की एनडीए में शामिल शिरोमणि अकाली दल ने इन बिलो का विरोध करते हुए पहले सरकार और फिर एनडीए से बाहर जाने का फैसला कर लिया। बता दें शिरोमणि अकाली दल बीजेपी का सबसे पुराने सहयोगियों में से एक रहा है। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार में राजस्व मंत्री और कांग्रेस नेता बाला साहेब थोराट ने कहा कि महाराष्ट्र में इन कानूनों को लागू नहीं किया जाएगा। थोराटा ने कहा, संसद द्वारा पारित बिल किसान विरोधी है। इसलिए हम इसका विरोध कर रहे हैं। महाविकास अघाड़ी भी इसका विरोध करेगी और महाराष्ट्र में इसे लागू नहीं होने देगी। शिवसेना भी हमारे साथ है। हम एक साथ बैठेंगे और एक रणनीति बनाएंगे।

हज यात्रियों के लौटाए गए 2100 करोड़ रुपये

शनिवार को केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी की अध्यक्षता में भारतीय हज समिति की हज हाउस में बैठक हुई। इसमें अधिकारियों ने बताया कि कोरोना वायरस के चलते हज यात्रा नहीं कर पाने वाले 1 लाख 23 हजार यात्रियों को 2100 करोड़ रुपये लौटा दिए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, केंद्र सरकार 2021 में होने वाली हज यात्रा को लेकर तैयारियां कर रही है। हम अक्टूबर-नवंबर से हज 2021 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करेंगे। हमें हज 2021 को लेकर सऊदी अरब की तरफ से दिशानिर्देश जारी होने का इंतजार हैं। भारतीय हज समिति के सीईओ एम.ए.खान ने बताया, हज को लेकर शनिवार को मीटिंग हुई। हम अभी सऊदी अरब के दिशानिर्देशों का इंतजार कर रहे हैं। 19 अक्टूबर को दिल्ली में हज यात्रा को लेकर मीटिंग होगी।

मुंबई में फिर सुधरने लगा कोरोना रिकवरी रेट

बता दें कि मुंबई में 26 सितंबर तक 1 लाख 58 हजार 749 लोग कोरोना को मात दे चुके थे। जिससे रिकवरी रेट सुधर कर 81 प्रतिशत तक पहुंच गया है। कोरोना की ग्रोथ रेट में सकारात्मक गिरावट आई है। मुंबई में कोरोना की ग्रोथ रेट 1.07 प्रतिशत है, जबकि डबलिंग रेट में भी सुधार हुआ है। कुछ दिन पहले डबलिंग रेट गिरकर 56 दिन हो गया था। जो अब बढ़कर 65 दिन तक पहुंचा है। शनिवार को मुंबई में 1942 लोगों ने कोरोना को मात दी। मुंबई में बोरीवली, मालाड और अंधेरी में सबसे ज्यादा कोरोना के मरीज हैं, लेकिन राहत की बात यह है कि इन्हीं इलाकों में सबसे ज्यादा लोग कोरोना से ठीक भी हुए हैं। बोरीवली में कोरोना मरीजों की संख्या 12156 तक पहुंच गई है। 12 हजार कोरोना मरीजों का आंकड़ा पार करनेवाला बोरीवली मुंबई का पहला वार्ड है। यहां सबसे अधिक 9613 लोग कोरोना को मात भी दे चुके हैं। जो मुंबई में सर्वाधिक है। यहां 2197 ऐक्टिव पेशंट भी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल अब हर सच होगा उजागर 5

राउत और फडणवीस के बाद अब शरद पवार और उद्धव की मुलाकात

महाराष्ट्र में राजनीतिक सरगर्मी तेज

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में ड्रग्स केस के सरगर्मियों के बीच अब राजनीतिक चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। मुंबई के मंत्रालय से लेकर शिवसेना की मातोश्री तक मुलाकातों ने अब प्रदेश में नई संभावनाओं की शुरूआत कर दी है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अध्यक्ष शरद पवार ने रविवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात की है। यह मुलाकात महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना सांसद संजय राउत की बैठक के बाद हुई है जिससे राजनीतिक कयासों का दौर शुरू हो गया है। सूत्रों ने बताया कि पवार ने उद्धव ठाकरे के आधिकारिक आवास पर मुलाकात की और यह करीब 40 मिनट तक चली। हालांकि, दोनों नेताओं की बैठक के दौरान क्या बातचीत हुई, इसकी तत्काल जानकारी नहीं मिल सकी है। सूत्रों ने हालांकि बताया कि राज्य में भविष्य के अनलॉक और कोविड-19 की स्थिति कुछ मुद्दे रहे, जिनपर दोनों नेताओं ने बैठक के दौरान चर्चा की।

राउत और फडणवीस भी होटल में मिले: उल्लेखनीय है कि शनिवार को मुंबई के एक होटल में फडणवीस और राउत ने मुलकात की थी। इस मुलाकात के बाद कयासों का दौर शुरू हो गया था। हालांकि, फडणवीस ने रविवार को कहा कि बीजेपी का शिवसेना से हाथ मिलाने या उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार को गिराने का कोई इरादा नहीं है। फडणवीस ने कहा कि राउत से मुलाकात शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' के लिए साक्षात्कार को लेकर हुई थी।

कुछ मुद्दों पर चर्चा के लिए आया: राउत – इससे पहले रविवार सुबह शिवसेना सांसद संजय राउत ने भी मुलाकात पर सफाई देते हुए कहा, मैं कुछ मुद्दों पर चर्चा करने के लिए कल (शनिवार) देवेंद्र फडणवीस से मिला था। वह पूर्व सीएम हैं। इसके अलावा वह महाराष्ट्र में विपक्ष के नेता हैं और बीजेपी के बिहार चुनाव प्रभारी भी हैं। उन्होंने कहा कि हमारे बीच वैचारिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन हम दुश्मन नहीं हैं। सीएम उद्धव को इस बैठक के बारे में पता था।

ड्राइविंग करते समय रूट देखने के लिए किया जा सकता है मोबाइल फोन का इस्तेमाल, 1 अक्टूबर से लागू होंगे नए नियम

नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि ड्राइविंग करते समय मोबाइल या अन्य हैंड हेल्ड डिवाइस का इस्तेमाल किया जा सकता है। लेकिन इसका इस्तेमाल केवल रूट देखने के लिए किया जाए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखा जाए कि मोबाइल के इस्तेमाल से ड्राइविंग करते समय ड्राइवर का ध्यान भंग ना हो। हालांकि, ड्राइविंग करते समय मोबाइल से बात करने पर 1 हजार से 5 हजार रुपए तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा कि मोटर व्हीकल रूल्स में बदलाव किया गया है। नए नियमों के तहत लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट,

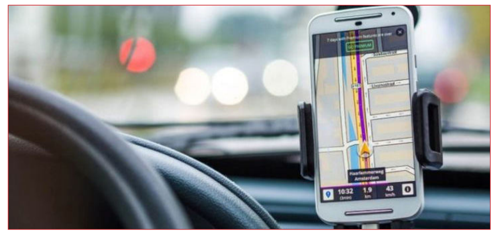

फिटनेस सर्टिफिकेट, परमिट जैसे वाहन से जुड़े कागजातों के रखरखाव के लिए सरकार एक वेब पोर्टल की स्थापना करेगी। इस पोर्टल का संचालन और रखरखाव सरकार करेगी। इस वेब पोर्टल पर लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन के सस्पेंशन, कंपाउंडिंग और रिवोकेशन समेत ई-चालान जैसे अपराधों का रिकॉर्ड भी उपलब्ध होगा। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि नए नियम 1 अक्टूबर 2020 से लागू हो जाएंगे। यह नियम पिछले साल मोटर व्हीकल एक्ट में किए गए बदलाव से जुड़े हैं। एक्ट के कुछ नियम पिछले साल लागू हो गए थे। बयान के मुताबिक, आईटी सर्विस और इलेक्ट्रॉनिक मॉनिटरिंग के इस्तेमाल से देश में ट्रैफिक से जुड़े नियम बेहतर तरीके से लागू होंगे। साथ ही ड्राइवरों के उत्पीड़न पर रोक लगेगी।

समाज सेविका दीपाजी सूर के हेल्पिंग टीमका भारतीय चित्रकला और हस्तकला का वेबक्रेझ ऑनलाईन व्हर्च्युअल प्रदर्शन

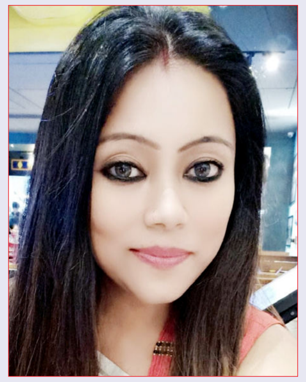

मुंबई। मीरा रोड पूर्व इलाके की समाज सेविका दीपाजी सूर ने सामाजिक कार्यकर्ता के सहयोग से हेल्पिंग टीम सामाजिक संस्था के माध्यम से भारतीय संस्कृतीकी चित्रकला और हस्तकला का वेबक्रेझ ऑनलाईन व्हर्च्युअल प्रदर्शन दिनांक १८,१९,२० सप्टेंबर २०२० तक सफल किया। इस प्रकार से तीन दिनका वेबक्रेझ ऑनलाईन व्हर्च्युअल प्रदर्शन में भारतीय संस्कृती के चित्रकला और हस्तकला की बहुत सी पेंटिंग, सुंदर आकर्षक ज्वैलरी, रंगीन चीजे, आर्ट स्टैचू की इस प्रदर्शन में रखी गयी थी। समाज सेविका दीपाजी सूर ने हेल्पिंग टीम के सभी सदस्य को और कला प्रेमी लोगों को भारतीय चित्रकला, हस्तकला के विविध प्रकारके पेंटिंग, आर्ट, आकर्षक चीजों के साथ प्रदर्शन में हिस्सा लेने के लिये एक बहुमोल बडा प्लॅटफोर्म उपलब्ध किया था। वेबक्रेझ ऑनलाईन व्हर्च्युअल प्रदर्शन के माध्यम से मिलने वाला सब पैसा समाज सेविका दीपाजी सूर ने मुंबई के परेल इलाके के टाटा कॅन्सर अस्पताल के कॅन्सर मरीज के मदद निधी कोश में जमा करने का का प्रबंध किया है।

भिवंडी के जीलानी बिल्डिंग हादसे में सरकार व मनपा प्रशासन करें आर्थिक मदद: परवेज खान

भिवंडी। भिवंडी शहर में 20 सितंबर रविवार की काली रात शहर को झकझोर कर रख दिया है। 21 सितंबर सोमवार के तड़के लगभग 3 बजकर 15 मिनट पर पटेल नगर स्थित जीलानी बिल्डिंग ताश के पत्ते के समान भरभराकर गिर पड़ी। जिसमें जिसमें दबकर 38 लोगों की जान चली गयी। तथा 25 लोग घायल हो गये। कईयों का परिवार पूरी तरह से मौत के काल में समा गया। इसके साथ-साथ किसी के परिवार के एक, किसी के दो तथा किसी के तीन-तीन लोगों की मृत्यु इस हादसे में हुई है। जिसके कारण पूरे परिसर में मातम छाया हुआ है। भिवंडी शहर के वरिष्ठ समाजसेवक व कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ता परवेज खान ने सरकार व मनपा प्रशासन से मांग किया है कि राज्य में सबसे बड़ा हादस भिवंडी में हुआ है। 72 घंटे के कड़ी मशक्कत के बाद भिवंडी मनपा कर्मचारी, अग्निशमन विभाग, एनडीआरएफ व टीडीआरफ के जवानों सहित स्थानीय युवाओं की मदद के से 25 लोगों को इस मलबे से बाहर निकालने के साथ-साथ 38 लोगों का शव बरामद किया है। सरकार तथा मनपा प्रशासन इन हादसे में पीड़ित व्यक्तियों को राहत तथा मदद कर उनके पुनवर्सन की व्यवस्था करना चाहिए। इसके साथ -साथ इस हादसे से घायल व्यक्तियों का इलाज भी मनपा प्रशासन को करने की मांग किया है।

'प्रियंका गांधी चुपचाप बदलाव ला रही हैं'

संवाददाता

नई दिल्ली। आजादी के बाद कांग्रेस अपने सबसे बुरे दौर में चल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के कई नेता अपने भाषणों में कांग्रेस मुक्त देश की बात अक्सर करते ही रहते हैं। लेकिन पार्टी का आलाकमान अपने स्तर पर कांग्रेस की चमक फिर से लौटाने की कोशिशों में जुटा हुआ है। इस बीच कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने दावा किया है कि प्रियंका गांधी चुपचाप तरीके से काम करते हुए एक बदलाव ला रही हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने ट्वीट कर कहा कि जबकि कांग्रेस की हार भारत में चर्चा का विषय रही है। वर्तमान स्थिति से बदलाव की आवश्यकता है और जिसे प्रियंका गांधी चुपचाप ला रही हैं। गलतियों और सुधार को स्वीकार करने के लिए बदलाव का यह पहला कदम है।

बंदरगाहों की हालत खराब

कोरोनावायरस के कारण कंटेनर कार्गो की ढुलाई अप्रैल से अगस्त के बीच करीब 25% घट गई: आईपीए

संवाददाता

नई दिल्ली। कोरोनावायरस महामारी का देश के प्रमुख बंदरगाहों के परफॉर्मेंस पर भी बेहद बुरा असर पड़ा है। इंडियन पोर्ट्स एसोसिएशन (आईपीए) के आंकड़ों के मुताबिक कंटेनर कार्गो की ढुलाई अप्रैल से अगस्त के बीच करीब 25 फीसदी घट गई। टीईयू (ट्वेंटी फुट इक्विवेलेंट यूनिट) के हिसाब से प्रमुख 12 बंदरगाहों पर कंटेनर कार्गो की ढुलाई इस दौरान 25.01 फीसदी घटकर 32.5 लाख यूनिट रह गई। टन के हिसाब से इस दौरान कंटेनर कार्गो 22.45 फीसदी घटकर 4.926 करोड़ टन रह गया। एक साल पहले की समान अवधि में इन बंदरगाहों पर कंटेनर की ढुलाई 43.4 यूनिट और टन के हिसाब से 6.353 करोड़ टन थी। आईपीए इन 12 बंदरगाहों का संचालन करता है और उनके आंकड़े रखता है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने पहले कहा था कि समूचा कार्गो सेगमेंट प्रभावित होगा, लेकिन कंटेनर सेगमेंट पर ज्यादा बुरा असर होगा। पूरे कारोबारी साल 2020-21 में समूचे कार्गो सेगमेंट में 5-8 फीसदी गिरावट आ सकती है। जबकि इस कारोबारी साल में कंटेनर सेगमेंट में 12-15 फीसदी की गिरावट आ सकती है। चेन्नई, कोच्चि और कामराजार जैसे बंदरगाहों का कार्गो वॉल्यूम अप्रैल-अगस्त में करीब 30 फीसदी गिरा। जेएनपीटी और कोलकाता के वॉल्यूम में 20 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। मुंबई पोर्ट्स का वॉल्यूम 19 फीसदी से ज्यादा गिर गया।

सभी प्रकार की कार्गो ढुलाई 16.56% घटकर 24.504 करोड़ टन रह गई

इस साल अप्रैल से अगस्त तक सभी प्रकार की कार्गो ढुलाई 16.56 फीसदी घटकर 24.504 करोड़ टन रह गई है। केंद्र सरकार के इन 12 बंदरगाहों का कार्गो वॉल्यूम अगस्त में लगातार पांचवें महीने घटा है। मोमुर्गाव को छोड़कर बाकी सभी 11 बंदरगााहों के वॉल्यूम में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले साल की समान अवधि में इन 12 बंदरगाहों पर 29.367 करोड़ टन की कार्गो ढुलाई हुई थी।

कोस्ट गार्ड ने डूबते हुए कार्गो जहाज से 12 क्रू मेंबर्स को बचाया

चीनी-चावल समेत जहाज में 905 टन सामान था

संवाददाता

अहमदाबाद। अरब सागर में डूब रहे एक कार्गो शिप के 12 क्रू मेंबर्स को कोस्ट गार्ड ने बचाया। घटना 26 सितंबर रात करीब 9 बजे की है। कार्गो जहाज एमएसवी कृष्ण सुदामा सुबह गुजरात के मुंद्रा से चला था और यह जिबौटी पहुंचा था। जब जहाज गुजरात में ओखा के तट से करीब 18 किलोमीटर दूर था, तब यह डूबने लगा। इसमें चीनी और चावल समेत 905 टन सामान भरा था। भारतीय कोस्ट गार्ड (आईसीजी) ने बताया कि जहाज डूबने की सूचना मिलते ही एक सर्च और रेस्क्यू टीम तुरंत ओखा से रवाना की गई। कोस्टगार्ड शिप सी-411 को ओखा से

रवाना किया गया, जबकि मुंद्रा में तैनात सी-161 शिप को भी घटनास्थल की ओर भेजा गया। इसके अलावा सहयोग के लिए एमवी साउदर्न रॉबिन को भी भेजा गया था।

विपरीत हालत में ऑपरेशन को पूरा किया

शिप सी-411 साउदर्न रॉबिन से मिली जानकारी के बाद घटना स्थल की वास्तविक पोजिशन पर पहुंची और यहां सर्च ऑपरेशन चलाया। इसके बाद डूबने वाले जहाज का पता चला। इस पर सवार 12 क्रू मेंबर्स जहाज छोड़ चुके थे। कोस्ट गार्ड ने सभी 12 मेंबर्स को बचा लिया। रात की वजह से यह ऑपरेशन बेहद मुश्किल था। इस दौरान समुद्र में मलबा भी बिखरा था और मौसम भी अनुकूल नहीं था। क्रू मेंबर्स को बचाने के बाद कोस्ट गार्ड ने इलाके की सर्चिंग की ताकि यह पता चलाया जा सके कि कहीं डूबते हुए जहाज से कोई तेल लीकेज तो नहीं हुआ है। हालांकि, ऐसा कुछ नहीं हुआ था।

राजस्थान हलचल

जमीअत उलमा बीकानेर प्लाज्मा अभियान के तहत 2 लोगों ने प्लाज्मा डोनेट किया

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हूसैन

राजस्थान। बीकानेर कोरोना वायरस का देश में ही नही पूरी दुनिया में कहर जारी है, जिसके बचाव के लिए अभी तक कोई वैक्सीन तैयार नही है, हालांकि चिकित्सक दिन-रात वैक्सीन बनाने में लगे हुवे हैं जब तक वैक्सीन तैयार नही होती तब तब तक कोरोना संक्रमित मरीजों को बचाने के लिए प्लाज्मा थैरेपी या अन्य दवाओं का उपयोग हो रहा है, कोरोना से ठीक हुवे लोग प्लाज्मा डोनेट कर अन्य मरीजों को बचाने में लगे हुवे हैं, बीकानेर में सामाजिक संस्थाओं में बड़ा किरदार जमीअत उलमा बीकानेर का रहा है जिसकी प्रेरणा से पीबीएम ब्लड बैंक में अब तक 24 लोगों ने प्लाज्मा दान कर बहुत से रोगियों को जीवनदान दिया है, आज जब कोरोना संक्रमित देवराज गर्ग के लिए O+ve प्लाज्मा की जरूरत पड़ी तो इस संस्था के सदस्यों ने रुपक भल्ला से सम्पर्क कर उनको प्लाज्मा डोनेट के लिए प्रेरित किया,दीपक भल्ला ने अपना प्लाज्मा दान कर इस शहर और इस मुल्क की की तहजीब को जिंदा किया जिसका जितना शुक्रिया अदा किया जाए कम है,ऐसे ही आज हमारे दूसरे डोनर मोहम्मद खालिद कोहरी रहे जिन्होंने आज 15 दिन बाद दूसरी बार अपना प्लाज्मा डोनेट किया और कहा कि किसी एक इंसान की जान बचाना पूरी इंसानियत को बचाना है इसीलिए हमें सेवा भावी बनकर रहना चाहिए और लोगों के काम आना चाहिए। जमीअत उलमा के जनरल सेक्रेट्री मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी ने रुपक भल्ला और खालिद कोहरी का शुक्रिया अदा किया और कहा कि अब तक जमीअत उलमा के सहयोग से पीबीएम ब्लड बैंक में 24 डोनर हो चुके हैं, इस मौके पर डॉक्टर अरुण भारती, डॉक्टर प्रेम पड़िहार, डॉक्टर सोनम, डॉक्टर कालूराम, डॉक्टर मनोज सैनी, डॉक्टर राजेश सैनी,डॉक्टर ईशान जोशी,जमीअत उलमा के मेडिकल हैल्प सदस्य मोहम्मद इमरान,अबरार कायमखानी और अब्दुल कादिर आदि मौजूद थे।

इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन ने बैठक कर सरकार से पत्रकारों को हर सुविधा मुहैया कराने की अपील की

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसैन

तेलंगाना (हैदराबाद । इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन (ईरा) तेलंगाना राज्य की बैठक हैदराबाद में दूरी बना आयोजित हुई। इसमें मुख्य रूप से ईरा स्टेट प्रेसिडेंट अपरार्थी नामपिल्लई, राज्य कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद अब्दुल्ला, राज्य प्रो मोहम्मद निजाम, ईरा राज्य उपाध्यक्ष एम.ए. कादर और दूसरे साथी पत्रकार शामिल हुए। बैठक में सभी वक्ताओं ने कहां कि सरकार पत्रकारों को हर जरूरतमंद सुविधा उपलब्ध करवाएं। पुलिस और पत्रकारों के बीच सामंजस्य स्थापित करें। पत्रकारों का साथ पब्लिक और सरकार दे। जिससे पत्रकार अपने दायित्वों का निर्वाहन अच्छे और बुरे घटनाओं को दिखाकर लोगों को जागरूक और उन तक खबर पहुंचाने का काम कर सकें। इसके अलावे सभी ने इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन के डेवलपमेंट के बारे में भी अपनी बातें रखी। इसमें अहम बात राष्ट्र में कोरोना कि इस विपत्ति वाली घड़ी में जिस तरह पत्रकार अपनी जान को जोखिम में डालकर प्रतिदिन समाज के लिए खबरों का संकलन कर लोगों तक पहुंचा रहे हैं। इस पर भी अपने विचार रखा। मौके पर दर्जनों पत्रकार उपस्थित थे।

रामपुर हलचल

कोविड 19 के महामारी की रोक थाम के चलते नगर के मुख्य बाजार के अंदर नगर पालिका परिषद द्वारा कराया जा रहा है सेनेटाइज

संवाददाता नदीम अख़्तर

टांडा (रामपुर)। कोविड 19 के महामारी की रोक थाम के चलते नगर के मुख्य बाजार के अन्दर नगर पालिका परिषद द्वारा कराया जा रहा है सेनेटाइजर मुख्य बाजार की दोनों साइडों पर नालों पर किया जा रहा है अतिक्रमण नाला साफ सफाई के दौरान उत्पन्न होती है अनेकों प्रकार की कठिनाईया दुकानों के सामने नाले पर रखकर बेचा जाता है सामान मुख्य मार्ग भी भीड़ भाड़ के चलते हो जाता है बाधित नालों के अन्दर गन्दा पानी जमा रहने से बढ़ जाता है मछरों आदि का प्रकोप, भयंकर, बीमारियां पनपने का रहता है भय, नगर के अन्दर नाले एवं नालीयो पर रहती है अतिक्रमण की भरमार,अतिक्रमण करने वालो के होंसले है बुलन्द, विभागीय स्तर पर उनका रोक लगा पाना हो रहा है कठिन कार्य। कोविड19 महामारी को अपने संज्ञान में रखते हुए नगर पालिका परिषद द्वारा नगर के मुख्य सदर बाजार के अन्दर कोरोना वायरस रोक थाम के लिए सनेटेइज का प्रयोग किया जा रहा है जिसके चलते गम्भीर बीमारी पर समय रहते अंकुश लग सके एवं उस पर पूर्ण तरीके से नियंत्रण किया जा सके। साथ ही नगर के अंदर पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहाँ पति मकसूद लालाजी व अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा एवं समस्त स्टाफ के चलते भर्षक प्रयासों के चलते नगर को साफ सुथरा रखे जाने प्रयास लगातार जारी है जिसके चलते कोई भी गम्भीर बीमारी पनपने का नाम तक न ले सके नगर के मुख्य मार्ग के दुकानों के दो साइडों पर बने नालों पर दुकानदारों द्वारा स्लेब व उनपर सामान आदि रखकर अतिक्रमण से पाट दिया जाता है जब कि नगर पालिका परिषद द्वारा भी ऐलान आदि के माध्यम से जागरुक कर कहा गया है कि दुकानदार अपना अपना अपनी दुकान की सीमा के अन्दर रहकर कार्य करें लेकिन न० पा० प० के दिशा निर्देशों को भी दुकानदारों द्वारा धज्जियां उड़ाई जा रही है खुलैतौर पर अनुपालन किया जा रहा है यही हाल नगर के अन्दर देखने को मिलेगा मकान स्वामियों द्वारा अपने अपने मकानों के सामने रास्तो पर फुटवेरियां बनाकर रास्ते तंग कर दिये गये हैं तथा बडे.

बडे.नालों स्लेब आदि डालकर उनको पाट दिया गया है जिससे सफाई व्यवस्था भी बाधित होकर रह जाती है और रास्ते भी तंग होकर रह गये हैं जबकि कानून का खुला उल्लंघन कर अतिक्रमण को लगातार बढावा दिया जा रहा है बरसात के मौसम में अनेकों प्रकार की समस्याओं के चलते जूझना पड़ता है लगभग आधा दर्जन से अधिक मौहल्ले जलमग्न होकर रह जाते हैं तथा गंदा पानी घरों के अन्दर प्रवेश कर जाता है घरों के अन्दर रखा सामान भी खराब होकर रह जाता है और गम्भीर तरह की बीमारियां पनपने का भय बना रहता है मौहल्ला सेंटाखेडा. में नाले पर बना मकान जो सफाई व्यवस्था आदि में अवरोधक बना हुआ था नगर वासियों की समस्याओ को देखते हुए प्रशासनिक तौर पर उसको ध्वस्त करा दिया गया उसी नाले पर बने मकान स्लैब आदि आज भी मौजूद है उसपर से अतिक्रमण हटाये जाने का नाम नहीं लिया जा रहा है विभागीय स्तर पर मात्र खाना पूरी कर इति श्री की गई है बाकी अतिक्रमण की स्थिति आज भी ज्यों की त्यों बनी हुई है विभाग उस पर से अतिक्रमण हटाये जाने को लेकर जरा भी गम्भीर नही है।

समस्तीपुर हलचल

प्राइवेट स्कूल संघ की बैठक संपन्न

समस्तीपुर। मोरवा प्रखंड के विक्रमपुर गांव स्थित जीनियस पब्लिक स्कूल के प्रांगण सरोज कुमार चौधरी की अध्यक्षता में रविवार को प्राइवेट विद्यालय संघ की बैठक आयोजित की गई। प्राइवेट विद्यालयों के हितों की रक्षा के लिए सर्वसम्मति से संघ के पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। सर्वसम्मति से सुरेश कुमार निषाद संघ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके साथ ही असित कुमार को सचिव एवं अजय कुमार को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। संयोजक एवं मार्गदर्शक मंडल में श्याम कुमार राय को मनोनीत किया गया। जागृति पब्लिक स्कूल में चार अक्टूबर को होने वाली आगामी बैठक में प्रवक्ता एवं अन्य पदाधिकारियों का चयन करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। मौके पर स्वामी विवेकानंद विद्यालय, जागृति पब्लिक स्कूल, शारदा चरण संस्थान धर्मपुर बांदे, जय मां शिक्षण संस्थान बाजीतपुर सहित प्रखंड के तेईस प्राइवेट विद्यालयों के विद्यालय कर्मियों द्वारा लॉकडाउन के दौरान हुई समस्या एवं इसके समाधान के लिए आवश्यक सुझाव एवं प्रस्ताव तथा विचार प्रस्तुत किये गये।

पत्रकार को मारपीट कर किया घायल

समस्तीपुर। मोरवा प्रखंड के ताजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अमृतपुर चंदौली ग्राम निवासी एक समाचार पत्र के संवाददाता शिशिर कुमार व उनके चचेरे भाई संजय कुमार चौधरी को शनिवार की रात कुछ लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया है। मारपीट में घायल होकर बेहोश हो चुके पत्रकार को स्थानीय ग्रामीणों द्वारा ताजपुर अस्पताल में ले जाकर इलाज कराया गया। घायल पत्रकार की स्थिति गंभीर देखते हुए ताजपुर अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर रेफर कर दिया गया है। घायल पत्रकार द्वारा घटना के विरोध में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया गया है। प्राथमिकी के लिए दिए गए आवेदन का अनुसार वे शनिवार की रात गांव से एक भोज खाकर घर वापस आये थै। पड़ोस का एक युवक नशे की हालत में पत्रकार के पिताजी व पत्रकार की पत्नी को गाली गलौज कर रहा था। मना किए जाने पर उक्त व्यक्ति ने पत्रकार को पकड़कर पीटना शुरू कर दिया और मारपीट कर घायल कर दिया। बीच बचाव के दौरान स्थानीय संजय कुमार चौधरी को भी मारपीट कर धारदार हथियार से घायल कर दिया। ताजपुर थाने में अजय कुमार चौधरी, दिलीप कुमार चौधरी दोनों पे. उमाकांत चौधरी वआशीष कुमार चौधरी पे. दिलीप कुमार चौधरी सहित तीन लोगों को आरोपित किया गया है। ताजपुर थानाध्यक्ष शंभूनाथ सिंह के अनुसार प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है।

प्रदेश महासचिव बेलाल राजा ने रालोसपा छोड़ थामा कांग्रेस का दामन

समस्तीपुर। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित मिलन समारोह में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर मदन मोहन झा के समक्ष बेलाल राजा ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी और श्री राहुल गांधी के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त करते हुए कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बेलाल रजा समस्तीपुर के वारिसनगर विधानसभा के रहने वाले हैं, इस अवसर पर डॉक्टर मदन मोहन झा ने कहा कि बेलाल राजा के कांग्रेस पार्टी में आने से पूरे बिहार खासकर समस्तीपुर जिला और वारिसनगर विधानसभा में कांग्रेस पार्टी को मजबूती मिलेगी इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुबोध कुमार, प्रदेश प्रवक्ता राजेश राठौर, जया मिश्रा, किशोर कुमार झा, समस्तीपुर जिला अध्यक्ष अबू तमीम, समाजसेवी वसीम रजा, जहांगीर आलम,काशीकांत झा,शमी अहमद, मोहम्मद जहांगीर,मिथलेश राम, सुनील सिंह, आफताब आलम, फूल सिंह आदि ने बधाई दी।

दलित विकास अभियान समिति द्वारा ऑफर एवं फोरम सीआईडी के सहयोग से सतत विकास लक्ष्य के सफल क्रियान्वन हेतु एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

समस्तीपुर। दलित विकास अभियान समिति द्वारा ऑफर एवं फोरम सीआईडी के सहयोग से सतत विकास लक्ष्य के सफल क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला का मुख्य गोल5 -गोल नंबर 10 असमानता की समाप्ति और जेंडर लिंग समानता के मुद्दे पर चर्चा की गई। चर्चा का को आगे बढ़ाते हुए एसीए श्री बबीता कुमारी ने बताया कि आज भी सामाजिक संरचना में प्रतिशतता कायम है। वहीं राजनीतिक चुनावों में महिलाओं की जो भगदारी नहीं रहने की वजह से नीति निर्धारण में नियम नहीं बन पा रही है। सतत विकास लक्ष सप्ताहिक कार्ड योजना 2020 के संदर्भ में 19 सितंबर से 26 सितंबर तक मोरवा, ताजपुर प्रखंड के विभिन्न गांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के बाद आज यह कार्यक्रम रोल नंबर 5 एवं 10 पर चर्चा रखी गई है। सरकार ने सतत विकास लक्ष्य रखा, लेकिन वह आज तक उस सरजमीन पर लागू नहीं की गई है। महिलाओं की भागीदारी हमारी महिलाओं के आगे एवं विचारों को कार्यशाला में उपस्थित अंबेडकर ग्राम समिति की और किशोरी समिति के सदस्यों ने अपनी बात रखी। बिहार विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी को 5 संकल्प को लागू करने के लिए संकल्प लिया। इस संस्था के प्रमुख धर्मेन्द्र कुमार, आर पी सिंह, राजकुमार, मिथलेश कुमार, फूल कुमारी आदि ने विस्तार से वर्णन किया।

नहीं होगी बार-बार डकार आने की समस्या, करें ये उपाय

भोजन करने के बाद डकार आना आम बात है। आमतौर पर डकार आना खाने का मतलब भोजन का पच जाना होता है लेकिन कई बार खट्टी डकारे आनी शुरू हो जाती है। दरअसल, जब डाइजेशन के लिए जरूरी एंजाइम्स कम पड़ जाते है तो यह समस्या होने लगती है। खट्टी डकार आने पर कई बार दूसरो के सामने भी शर्मिंदा होना पड़ता है। आज हम आपको ऐसे घरेलू उपाय बताएंगे जिनकी मदद से आप इस समस्या से कुछ मिनटों में ही दूर कर सकते हैं।

खट्टी डकार आने के कारण

जरूरत से ज्यादा खाना
पेट में इंफेक्शन
बदहजमी के कारण
समय पर न खाना
सिगरेट या शराब का सेवन
टेंशन के कारण
ज्यादा मसालेदार भोजन का सेवन

खट्टी डकार के घरेलू उपाय

1. कैमोमाइल टी बैग
बार-बार डकार आने की समस्या को दूर करने के लिए कैमोमाइल टी बैग को गर्म पानी में डालें। 10 मिनट बाद इस चाय को पी लें। इससे खट्टी डकार की समस्या मिनटों में दूर हो जाएगी।

2. अदरक
गर्म पानी में 1 चम्मच अदरक का रस, नींबू का रस और सेंधा नमक डालकर मिला लें। इसके बाद इसमें शहद डालकर दिन में 2-3 बार पीएं। आपकी परेशानी खत्म हो जाएगी।

3. पुदीना
पानी को अच्छी तरह उबाल कर इसमें पुदीने की पत्तियां डालें और 10 मिनट बाद इसे पी लें। इससे बार-बार डकार आने की प्रॉब्लम दूर हो जाएगी।

4. इलायची
खट्टी डकार आने पर 1 इलायची को अच्छी तरह चबाएं। रोजाना 1 इलायची का सेवन करने से पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है और इससे पेट से जुड़ी परेशानियां भी नहीं होती।

5. गुड़
खट्टी डकार आने पर तुरंत 1 गुड़ का टुकड़ा लेकर मुंह में रखकर चूस लें।। इससे आपको कुछ मिनटों में ही आराम मिल जाएगा। गुड़ में मौजूद डाइजेस्टिव एंजाइम खाने को जल्दी हजम करने में मदद करते है।

6. लहसुन
लहसुन की एक कली को कच्चा चबाकर 1 ग्लास पानी पी लें। इससे आपकी यह समस्या दूर हो जाएगी और पेट भी अच्छे से साफ हो जाएगा।

पेट के कीड़ों को 1 हफ्ते में ही खत्म कर देगा यह घरेलू नुस्खा

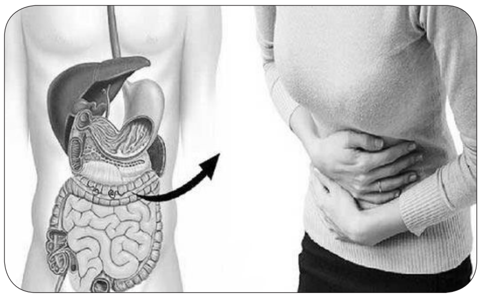

गलत खान-पान के कारण लोगों को पेट से जुड़ी कई समस्याएं हो जाती है, इन्हीं में से एक है पेट में कीड़ों का होना। पेट में कीड़े की समस्या बच्चों और बड़ों दोनों को ही सकती है। पेट में दर्द, गैस, बदहजमी और खाने की इच्छा मर जाना पेड़ में कीड़े होने के प्रमुख लक्षण है। इसके कारण रोगी को असहनीय पेट दर्द, शरीर का रंग पीला या काला पड़ना, सूजन, बुखार, चक्कर आना और होठों का सफेद होना जैसी प्रॉब्लम का भी सामना करना पड़ता है। गंदगी के कारण भी पेट में कीड़े पैदा हो सकते है। इसके अलावा बाजार से खरीदा अस्वच्छ भोजन का सेवन भी पेट संबंधित कई रोग पैदा करता है। आज हम आपको ऐसा असरदार नुस्खा बताएंगे जिसकी मदद से आप इस समस्या को 2 दिन में ही दूर कर सकते है। तो आइए जानते है पेट के कीड़ों को दूर करने का असरदार घरेलू उपाय।

पेट में कीड़ों के कारण

मिट्टी खाने की आदत
ठीक से हाथ को धुले बिना भोजन ग्रहण करना
नाखूनों को न काटना
नाखून चबाने के कारण
बाजार का खुला व दूषित भोजन खाने पर साफ सफाई का ध्यान न रखना
अधिक मीठे का सेवन

पेट में कीड़ों के लक्षण

असहनीय पेट दर्द
आंखे लाल होना
जीभ सफेद होना
वजन कम होना
मुंह से बदबू आना
शरीर में सूजन
जी मचलना और उल्टी
यूरिन में खून का आना
दस्त लगना, गैस और एसिडिटी
एनीमिया और सिरदर्द
पेट में कीड़े का घरेलू उपाय

बनाने की विधि:
सबसे पहले कुछ पुदीना के पत्तों को धेकर साफ कर लें। इसके बाद इसमें 1/2 चम्मच नींबू का रस और 5 काली मिर्च मिलाकर पीस लें। अब आप इसमें टेस्ट के अनुसार हल्का नमक या चीनी मिक्स करें। रोजाना 5-6 दिनों तक सुबह-शाम इसका 1 चम्मच खाएं। लगातार नियमित रूप से इसका सेवन पेट के कीड़ों की समस्या को जड़ से खत्म कर देता है।

एड़ी का दर्द सताए तो करें यह उपाय

पैरों की एडियों में दर्द हो तो चलना-फिरना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसा देर तक खड़े रहने से या ऊंची एड़ी के सैंडन पहनने से होता है। इसे समस्या से छुटकारा पाने के लिए दवाइयों के अलावा घरेलू उपचार भी किया जा सकता है। सिर्फ एक उपाय से इस दर्द से राहत पाई जा सकती है। आइए जानें...

सामग्री

1 पीस नौशादर
1/2 चम्मच एलोवेरा
1/2 चम्मच हल्दी पाऊडर
इस्तेमाल की

तरीका
एक बर्तन में एलोवेरा जैल डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। इसमें नौशादर और हल्दी डालें जब यह पानी छोड़ने लगे तो इसे थोड़ा गुनगुना होने पर रूई से(जितना सह सकें)एडियों पर लगा लें। इसे कपड़े के साथ बांध लें। इसे रात को प्रयोग करें। लगातार 30 दिनों तक इस्तेमाल से आराम मिलेगा।

एलोवेरा जेल से दूर करें बालों से जुड़ी समस्याएं

अमीनो एसिड, न्यूट्रिएन्ट्स और विटामिन्स से भरपूर एलोवेरा शरीर में खून की कमी को पूरा करता है। इसके अलावा एलोवेरा का इस्तेमाल कई स्किन और बालों की प्रॉब्लम को दूर करने के लिए किया जाता है। आजकल लोगों में आम दिखाई देने वाली बाल झड़ना, डैंड्रफ और पताला होने जैसी समस्याओं को इससे दूर किया जा सकता है। बिना किसी कैमिकल युक्त प्रॉडक्ट्स से आप बालों की हर समस्या को इस नैचुरल तरीके से दूर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं किस तरह एलोवेरा बालों की समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

एलोवेरा का इस्तेमाल

1. एलोवेरा जेल को सिर में लगाने से ड्रैंडफ, गंजेपन और रूखेपन की समस्या दूर होती है।
2. एलोवेरा का इस्तेमाल बालों की ग्रोथ को बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा इसे लगाने से बाल चमकदार और खूबसूरत बनते हैं।
3. जिन लोगों को सिर में खुजली की समस्या रहती है उनके लिए एलोवेरा रामवाण हैं। इसमें पाएं जाने वाले बैक्टीरियल, एंटीसेप्टिक और एंटीफंगल बालों संबंधित समस्याओं से राहत दिलाती है।
4. अगर आपके बाल ऑयली है तो बालों में एलोवेरा जेल लगाएं। नियमित रूप से इसका इस्तेमाल ऑयली बालों से निजात दिलाने में मदद करता है।
5. एलोवेरा जल नैचुरल कंडीशनर की तरह काम करता है। इसको लगाने से बाल सिल्की, शाइनी और स्मूथ बनाते हैं।

एलोवेरा जेल के हेयर मास्क

1. एलोवेरा जल और प्याज का रस
सर्दियों में बाल झड़ने की समस्या बहुत आम है। इस से बचने के लिए एलोवेरा जल और प्याज के रस को समान मात्रा में डालकर एक पैक बनाएं। हेयर पैक को 1 घंटें तक बालों में लगाएं।

2. एलोवेरा और शहद
डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए एलोवेरा और शहद का हेयर मास्क बनाएं। इसको बालों में तकरीबन आधा घंटा लगा रहने दें। इसके बाद सिर को शैम्पू से धों लें। ऐसा करने से महीने भर में डैंड्रफ की समस्या खत्म हो जाएगी।

3. एलोवेरा और जोजोबा ऑयल
बालों को मजबूत बनाने के लिए एलोवेरा और जोजोबा ऑयल का मिश्रण तैयाक करें। इस मिश्रण को बालों की जड़ो तक लगाएं। इसको 45 मिनट के लिए बालों में लगाने के बाद सिर धो लें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रकुल प्रीत की हाईकोर्ट से गुहार

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने दिल्ली हाईकोट का रुख किया है। उन्होंने अदालत से गुहार लगाई है कि मीडिया को फौरन अंतरिम निर्देश देकर अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले से जुड़ी ड्रग जांच से जोड़कर उनके खिलाफ रनिंग शो के प्रसारण या आलेखों का प्रकाशन करने से रोका जाए। इस मामले की सुनवाई अगले हफ्ते होने की संभावना है। अधिवक्ता हिमांशु यादव, अमन हिंगोरानी और श्वेता हिंगोरानी के माध्यम से दायर याचिका में दावा किया गया है कि रकुल प्रीत फिल्म कर शूटिंग के सिलसिले में इस समय हैदराबाद में हैं। वह मीडिया में आईं इन खबरों को देखकर स्तब्ध हैं कि मुंबई के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने 24 सितंबर को उन्हें रिया चक्रवर्ती से जुड़े ड्रग्स मामले में समन भेजा है। आपको बात दें कि ड्रग्स केस में एनसीबी की टीम ने अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह से पूछताछ की। उनसे करीब 4 घंटे की पूछताछ चली। सूत्रों के मुताबिक इस दौरान रकुल प्रीत ने कबूल किया कि उन्होंने साल 2018 में ड्रग्स को लेकर रिया चक्रवर्ती से व्हाट्सएप चैट की। लेकिन उन्होंने ड्रग्स का सेवन करने से इनकार किया।

शाहिद ने साइन की 100 करोड़ की डील

कोरोना वायरस के कारण पिछले काफी समय से बंद पड़े सिनेमाघरों की वजह से अब दर्शकों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को मनोरंजन का साधन बना लिया है। एक ओर फिल्ममेकर्स ने अपनी फिल्मों को डिजिटली रिलीज करना शुरू कर दिया है, वहीं बड़ी फिल्मी हस्तियां भी डिजिटल प्लेटफॉर्म का रुख करने लगी हैं। अब इन सितारों में शाहिद कपूर का नाम भी जुड़ गया है। खबर है कि शाहिद ने नेटफ्लिक्स के साथ 100 करोड़ रुपये की डील की है। रिपोर्ट के अनुसार, शाहिद नेटफ्लिक्स के साथ कई प्रोजेक्ट्स के लिए जुड़े हैं। उन्होंने इन प्रोजेक्ट्स के लिए 100 करोड़ रुपये की डील साइन की है। नेटफ्लिक्स की फिल्म या सीरीज से वह डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपना सफर शुरू करने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें से एक प्रोजेक्ट ड्रिवेन फिक्शन सीरीज है, इसके लिए शाहिद पहले ही साइन कर चुके हैं। हालांकि, फिलहाल शाहिद की ओर से इसे लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D.JALAN COLLEGE
OF SCIENCE, COMMERCE & ARTS
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai 400 097.
Estd. : 2011
AFFILATED TO UNIVERSITY OF MUMBAI & M.S. BOARD, PUNE
A Sister Concern of S.J.PODDAR ACADEMY (ICSE) • Linguistic MARWARI Minority College

COURSES OFFERED

JUNIOR COLLEGE
UDISE Code No. : 27230600241

F.Y.J.C. & S.Y.J.C. SCIENCE	:	General & Science with I.T
COLLEGE CODE	:	MU248SPE
F.Y.J.C. & S.Y.J.C. COMMERCE	:	General & Commerce with I.T
COLLEGE CODE	:	MU248CPE / MU248CFE

DEGREE COLLEGE

SCIENCE	:	CBZ (Chemistry, Botany & Zoology)
COMMERCE	:	Regular (Optional Subject : I.T.)
ARTS	:	Psychology, Economics & English
COLLEGE CODE	:	527

OUR COLLEGE HELPS THE STUDENTS IN

- One-on-One Mentoring
- Improving Communication Skills
- Confidence Building
- Personality Development
- Updating their Knowledge in Latest Technology
- Successfully completing industry-Guided Certificate Programs
- Starting their own venture
- Internships and placements

Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai 400 097.
022-40476030 gdjalancollege@gmail.com
www.gdjalan.edu.in